के विकास में अपनी निर्णायक भूमिका निभाता है। वह अपनी पढ़ाई पूरी करके नए जोश, कड़ी मेहनत और कठिन परिस्थितियों में देश की विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए, चाहे वह केंद्र सरकार की हो या भारत के किसी भी राज्य की प्रशासनिक, गैर प्रशासनिक और सभी तरह के सुरक्षा बलों की परीक्षाओं के चयन के लिए आवेदन करता है, जिससे वह देश के विकास में अपना योगदान दे सके। पर इस चयन प्रक्रिया का समय इतना लम्बा हो जाता है कि फॉर्म भरने से लेकर चयन होने तक कई साल लग जाते हैं, जिससे कई बार तो उमीदवार की योग्यता, उसकी अधिक आयु के कारण समाप्त हो जाती है, जिसमें विशेष रूप से युवा वर्ग के उम्मीदवार जो सुरक्षा बल के क्षेत्रों से जुड़े है, वे बहुत ही ज्यादा प्रभावित होते हैं। कई बार तो परीक्षा भी रद्द होने से युवाओं को मानसिक तनाव हो जाता है, जिसके कारण कई युवा अनैतिक गतिविधियों में लग जाते हैं और कई उम्मीदवार तो आत्महत्या तक कर लेते हैं। मैं भारत सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि इस चयन प्रक्रिया की अवधि को कम करने और चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की समीक्षा की जानी चाहिए, जिससे युवाओं के भविष्य को देशहित में सुरक्षित किया जा सके।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Dr. Sikander Kumar: Dr. Bhagwat Karad (Maharashtra), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand) and Shrimati Darshana Singh (Uttar Pradesh).

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): Shri Gulam Ali.

**Demand for republication of Indian Arabic Magazine "Thaqafatul Hind" by Indian Council for Cultural Relations (ICCR)**

SHRI GULAM ALI (Nominated): The Indian Arabic magazine 'Thaqafatul Hind', launched in 1950 by the Indian Council for Cultural Relations (ICCR), played a pivotal role in promoting Indian civilization, culture, history, religion, art, festivals and literature in the Arab world. It featured Arabic translations of Indian short stories, poetry, and scholarly articles, becoming a key reference for researchers and academics in Arab countries. Distributed through Indian embassies to universities and libraries across the region, the magazine served as a bridge between India and the Arab world, countering misconceptions and strengthening India's cultural identity. Published regularly from 1950 to 2017, '*Thaqafatul Hind*' ceased to be published in 2017, leaving a significant void in India's cultural diplomacy. Today, as India strengthens its ties with Arab nations, particularly, the Gulf Cooperation Council (GCC) countries, the revival of this magazine is essential. It would not only highlight India's rich cultural heritage and historical depth, but also foster stronger people to

people connections. Importantly, the magazine was never limited to any specific community. It represented India's shared heritage and diversity. Given its historical significance and the growing importance of cultural diplomacy, I urge upon the Government of India and the ICCR to take steps to revive *'Thaqafatul Hind'*. Its republication will reinforce India's intellectual and cultural presence in the Arab world, contributing to deeper mutual understanding and stronger bilateral relations.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Gulam Ali: Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland) and Shrimati Darshana Singh (Uttar Pradesh).

**उपसभाध्यक्ष (श्री घनश्याम तिवाड़ी)**: श्री एम. शनमुगम - अनुपस्थित। श्री संजय सेठ - अनुपस्थित। श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल - अनुपस्थित। डा. मु. तंबी दुरै - अनुपस्थित। श्री नरेश बंसल।

**Demand for celebrating festivals based on Hindu deities at international level**

**श्री नरेश बंसल** (उत्तराखंड): उपसभाध्यक्ष महोदय, भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है व विश्व में अपनी सनातन पहचान बिखेर रहा है। वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न जीवों, अवधारणा, प्रसिद्ध लोगों, धार्मिक कारकों के लिए कई दिन और सप्ताह मनाए जाते हैं। ये सभी दिन संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा अनुमोदित हैं। हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दू देवताओं पर उत्सव दिवस मनाने के लिए आवेदन करना होगा। हिन्दू धर्म में भगवान (ईश्वर) की कई प्रसिद्ध जन्म तिथियाँ हैं, जैसे श्री राम नवमी, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, श्री हनुमान जयंती आदि, जिन्होंने मानव रूप में जन्म लिया और जो लोगों को मानवता के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए पृथ्वी पर आए। हमें इन दिनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाना होगा। प्राचीन हिन्दू धर्म पर अनेक मूर्तियाँ, पुस्तकें, धर्म ग्रंथ, संगीत, तस्वीरें, कविता आदि उपलब्ध हैं। यहाँ प्रसिद्ध वेद, उपनिषद, पुराण, महाभारत, भगवद्गीता उपलब्ध हैं। इनसे पूरी दुनिया हिन्दू धर्म की सकारात्मकता से अवगत होगी। ये 'नए भारत' के प्रतीक होंगे। यह 'आजादी का अमृत महोत्सव' के बड़े उत्सवों में से एक है। अमृत काल की नई अवधारणा में यह इस दिशा में एक उज्ज्वल कदम है। साथ ही, ये हमारे देश की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अवधारणा का भी समर्थन करते हैं। इस तरह की पहल इतिहास में पहली बार किसी देश द्वारा होगी, यह दुनिया भर में बड़ा ऐतिहासिक कदम होगा। यह कदम दुनिया के सभी देशों के लिए पथ प्रदर्शक होगा। मेरी सरकार से यह माँग है कि इस पर ध्यान दिया जाए। धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri